जनसंपर्क विभाग, अमेरिकी दूतावास
आधिकारिक पाठ्य-सामग्री
शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाषः 011.24198000 एक्सटेंशनः 8827
फैक्सः 011. 24198817 वेबसाइटः http://newdelhi.usembassy.gov

व्हाइट हाउस

प्रेस सचिव कार्यालय

तत्काल जारी करने हेतु 1 मई, 2011

ओसामा बिन लादेन पर राष्ट्रपति का भाषण

ईस्ट रूम

सांय 11:35 ईडीटी

राष्ट्रपतिः गुड ईवनिंग। आज रात, मैं अमेरिकी जनता और दुनिया को यह बता सकता हूं कि एक अमेरिकी कार्रवाई में ओसामा बिन लादेन मारा गया जो अल कायदा का मुखिया और एक आतंकवादी था जो निर्दोष स्त्री-पुरुषों और बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार है।

लगभग 10 साल पहले सितंबर के एक चमकते दिन को अमेरिकी जनता पर हमारे इतिहास के दुष्टतम हमले में अंधेरा कर दिया था। 9/11 की तस्वीरें हमारी राष्ट्रीय स्मृति में समाई हुई हैं। हाईजैक किए हुए हवाई जहाज सितंबर के एक साफ आसमान से उड़ते हुए ट्विन टावरों को धराशायी कर गए। पेंटागन से काले धुएं उड़ने लगे, शंक्सविले, पेंसिलवानियां में विमान 93 का मलवा गिरा, जहां बहादुर नागरिकों के कार्यों ने और अधिक दुखदाई तबाही से बचाया।

और हम जानते हैं कि सबसे खराब तस्वीरें वह हैं जिन्हें दुनिया ने नहीं देखा। खाने की मेज पर खाली सीटें। बच्चे जो अपने मां-बाप के बगैर पलने पर मजबूर हो गए। मां-बाप जो यह कभी नहीं जानेंगे कि उनके बच्चे को गले लगाने की अनुभूति क्या होती है। लगभग 3000 हजार नागरिक हमसे छिन गए। जिन्होंने हमारे दिलों में एक न भरने वाला घाव दे दिया।
11 सितंबर 2001 को हमारे दुख की घड़ी में अमेरिकी जनता एक दूसरे के करीब आ गई। हमने अपने पड़ोसियों को मदद के लिए हाथ बढ़ाया और घायलों को अपने खून की पेशकश की। हमने एक दूसरे से अपने रिश्तों को, समुदाय और देश से अपने प्रेम को फिर से मजबूत किया। उस

दिन इससे कोई मतलब नहीं था कि हम कहां से आए और किस भगवान की पूजा करते हैं या किस नस्ल के हैं। हम एक अमेरिकी परिवार के तौर पर एकजुट थे।

हम अपने देश को बचाने के अपने संकल्प में भी एकजुट थे ताकि उन लोगों को न्याय के कटघरे तक लाया जा सके जिन्होंने यह घृणित हमला किया था। हम लोगों ने तुरंत ही जान लिया कि 9/11 के हमले अल कायदा ने किए थे जिसका मुखिया ओसामा बिन लादेन है। इस संगठन ने खुले तौर पर अमेरिका के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की थी। और जो हमारे देश व दुनिया में बेगुनाह लोगों को मारने का संकल्प कर रहा था। इसलिए हमने अपने नागरिकों, अपने दोस्तों, और अपने सहयोगियों को बचाने के लिए अल कायदा के विरुद्ध युद्ध शुरू कर दिया।

गत 10 वर्षों से हमारी फौज और हमारे आतंक विरोधी विशेषज्ञों के अथक और वीरतापूर्ण कारनामों को धन्यवाद कि हम लोगों ने उस कोशिश में बड़ी सफलता प्राप्त की। हमने आतंकवादी हमलों को रोक दिया और अपने देश की सुरक्षा को मजबूत किया। अफगानिस्तान में हमने तालिबान सरकार को हटाया जिसने बिन लादेन और अल कायदा को शरण और सहायता दी थी और दुनिया भर में हमने अपने दोस्तों और सहयोगियों के साथ अल कायदा के आतंकवादियों जिसमें वह भी शामिल थे जिन्होंने 9/11 की साजिश में हिस्सा लिया था, को पकड़ने या उन्हें समाप्त करने के लिए कार्य किया।

फिर भी ओसामा बिन लादेन काबू में आने से बचता रहा और पाकिस्तान में अफगानिस्तान की सरहदों में बचता रहा। इसी बीच अल कायदा ने उसी सीमा से अपनी कार्रवाइयां जारी रखीं और दुनिया भर में अपने सहयोगियों के द्वारा भी उसकी कार्रवाइयां जारी रहीं।

पद भार संभालने के तुरंत बाद ही मैंने सीआईए के निदेशक लिओन पैनेटा को अल कायदा के विरुद्ध हमारी जंग में बिन लादेन की हत्या करने या उसे पकड़ने को उच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। और हमने उसके नेटवर्क को बाधित करने, छिन्न-भिन्न करने और मात देने के लिए अपने व्यापक प्रयासों को जारी रखा।

फिर पिछले अगस्त में, हमारे गुप्तचर समुदाय के वर्षों के जोखिमपूर्ण कार्य के बाद मुझे ओसामा बिन लादेन तक पहुंचने की संभावना के बारे में बताया गया। यह लक्ष्य से अभी भी दूर था और इसकी जड़ तक पहुंचने में कई महीने लगे। मैं राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बार-बार मिलता रहा क्योंकि इस संभावना के बारे में कि बिन लादेन पाकिस्तान के काफी अंदर एक परिसर में छिपा हुआ है,

और अधिक सूचनाएं मिल रहीं थी। आखिरकार मैं इस परिणाम तक पहुंचा कि हमें कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त सूचनाएं मिल चुकी हैं और मैंने ओसामा बिन लादेन को न्याय के कटघरे तक लाने के लिए कार्रवाई करने की अनुमति दे दी।

आज मेरे निर्देश पर अमेरिका ने एबटाबाद पाकिस्तान में उस परिसर के विरुद्ध कार्रवाई की। अमेरिकियों की एक छोटी टीम ने असाधारण हिम्मत और क्षमता के साथ यह कार्रवाई की। किसी अमेरिकी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, उन्होंने ध्यान रखा कि नागरिकों की हत्या न हो। गोलीबारी के बाद उन्होंने ओसामा बिन लादेन को मार गिराया और उसका शव अपने कब्जे में ले लिया।

दो दशकों से अधिक समय से बिन लादेन अल कायदा का मुखिया और प्रतीक था और वह हमारे देश हमारे दोस्तों और सहयोगियों के विरुद्ध हमले करता रहा है। अल कायदा को शिकस्त देने के हमारे देश के प्रयासों में बिन लादेन की मौत आज के समय की सबसे शानदार उपलब्धि रही है।

फिर भी उसकी मौत का मतलब यह नहीं कि हमारे प्रयास समाप्त हो गए। इसमें संदेह नहीं कि अल कायदा हमारे विरुद्ध हमले जारी रखेगा। हमें घर पर और बाहर चौकस रहना होगा, और हम रहेंगे।

जैसा कि हम करते हैं, हमें इसकी पुनर्पुष्टि भी करनी होगी कि अमेरिका इस्लाम के साथ युद्ध में नहीं है और न कभी होगा। मैंने साफ किया है, जैसेकि राष्ट्रपति बुश ने 9/11 के तुरंत बाद किया था कि हमारी जंग इस्लाम के विरुद्ध नहीं है। बिन लादेन कोई मुस्लिम नेता नहीं था वह ढ़ेरों मुसलमानों का कातिल था। बेशक अल कायदा ने अमेरिका सहित बहुत से देशों में ढ़ेरों मुसलमानों की हत्या की है। इसलिए उसकी मौत का उन सभी लोगों द्वारा स्वागत होना चाहिए। जो शांति और मानवीय प्रतिष्ठा में विश्वास रखते हैं।

वर्षों से मैंने बार-बार यह साफ किया है कि हम पाकिस्तान में कार्रवाई करेंगे, अगर हमें पता चला कि बिन लादेन वहां है। और हमने यही किया, लेकिन यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान के साथ हमारे आतंकवाद विरोधी सहयोग ने हमें बिन लादेन और उस परिसर तक पहुंचाने में सहायता की है, जहां वह छिपा हुआ था। निस्संदेह, बिन लादेन ने पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी और पाकिस्तानी जनता पर हमले का आदेश दिया था।

आज रात मैंने राष्ट्रपति जरदारी से फोन पर बातचीत की और मेरी टीम ने भी अपने पाकिस्तानी समकक्षों से बातचीत की है। वह सहमत हैं कि हमारे दोनों देशों के लिए यह एक अच्छा ऐतिहासिक दिन है और आगे बढ़ते हुए यह जरूरी है कि पाकिस्तान, अलकायदा और उसके सहयोगियों के विरुद्ध लड़ाई में हमारे साथ बना रहे।

अमेरिकी जनता ने युद्ध अपनी ओर से नहीं चुना यह स्वयं हमारे तट पर आया और हमारे नागरिकों की बेमतलब हत्या के साथ शुरू हुआ। 10 साल की सेवा संघर्ष और बलिदान के बाद हम जानते हैं कि इस जंग के लिए हमें क्या कीमत चुकानी पड़ी है। यह प्रयास हर समय मेरे ऊपर भारी रहे हैं और कमांडर इन चीफ के तौर पर मुझे उस परिवार के नाम पत्र पर हस्ताक्षर करने पड़े हैं जिसका कोई सदस्य इस युद्ध में मारा गया है या उस सैनिक से मुझे आंखें मिलानी पड़ी हैं जो बुरी तरह घायल हो गया है।

अतः अमेरिकी लोग जंग की कीमत को समझते हैं। एक देश के तौर पर हम यह कभी नहीं बर्दाश्त करेंगे कि हमारी सुरक्षा खतरे में हो। या हम यूं ही बैठे रहें जब हमारे लोग मारे जा रहे हों। हम अपने नागरिकों, अपने दोस्तों और सहयोगियों की रक्षा में कठोरता से पेश आएंगे। हम उन आदर्शों पर खरे उतरेंगे जो हमें वह बनाते हैं जो हम हैं। और आज रात की तरह हम उन परिवारों से जिन्होंने अपना कोई सदस्य अल कायदा के आतंक के कारण खो दिया, कह सकते हैं: न्याय हो चुका है।

आज रात हम उन असंख्य गुप्तचर और आतंकरोधी विशेषज्ञों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस परिणाम को पाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। अमेरिकी जनता ने उनके काम नहीं देखे हैं न उसे उनके नाम मालूम हैं लेकिन आज की रात वह उनके कार्य और न्याय के लिए उनकी कोशिशों से संतुष्टि का अनुभव कर सकते हैं।

हम उन लोगों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह आपरेशन किया, जिससे उनके पेशेवराना देश प्रेम अतुल्य साहस की झलक मिलती है जो हमारे देश के लिए सेवारत हैं। और वह उस पीढ़ी का एक हिस्सा हैं जो सितंबर के उस दिन से भारी बोझ के सहभागी रहे हैं।
आखिर में मुझे उन परिवारों से यह कहना है कि जिन्होंने 9/11 को अपने प्रियजन खोए हम उनकी क्षति को कभी नहीं भूले हैं और न अपने देश को एक और हमले से बचाने के अपने संकल्प से डगमगाए हैं।

आज रात आइए हम उस एकता की अनुभूति के बारे में फिर सोचें जो 9/11 से कायम है। मैं जानता हूं कि यह कई मौकों पर अस्त-व्यस्त हुई है। आज की उपलब्धि हमारे देश और अमेरिकी जनता के संकल्प की महानता का प्रमाण है।

अपने देश को सुरक्षित रखने का काम अभी पूरा नहीं हुआ है, फिर भी आज रात हमें एक बार फिर याद रखना है कि अमेरिका वह कर सकता है जो वह सोचता है। यह हमारे इतिहास की कहानी रही है चाहे वह हमारे लोगों के लिए खुशहाली लाने की कोशिश रही हो या सभी नागरिकों के लिए समानता के लिए संघर्ष हो, हमारा संकल्प सभी आदर्शों के साथ रहना और विश्व को एक अधिक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए अपना बलिदान देना है।

हमें याद रखना होगा कि हम यह सब केवल धन या शक्ति के कारण नहीं कर सकते, बल्कि इस कारण कर सकते हैं: क्योंकि हम ईश्वर की छत्रछाया में अविभाज्य एक देश हैं, जो सबके लिए स्वतंत्रता और न्याय के साथ है।

आपका धन्यवाद। आप पर ईश्वर की कृपा हो। और ईश्वर अमेरिका पर कृपा करे।

***